



भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023

प्रलिमिंस के लिये:

[ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल](#), [भ्रष्टाचार](#), विश्व न्याय परियोजना (WJP), [अल्प वकिसति देश \(LDC\)](#)

मेन्स के लिये:

भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023, शासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व, भ्रष्टाचार के सामान्य कारण और भारत में इसकी रोकथाम

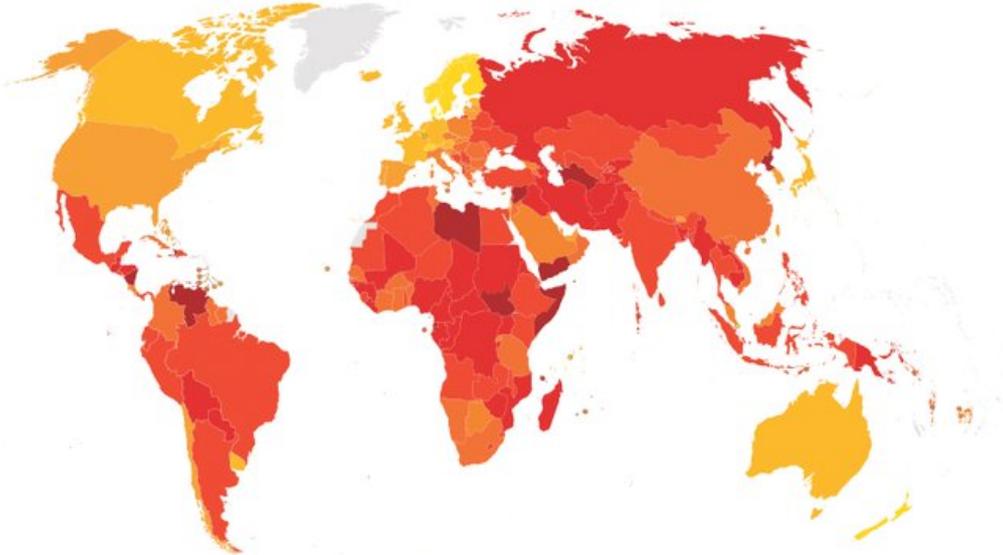
[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल](#) द्वारा **भ्रष्टाचार बोध सूचकांक (Corruption Perceptions Index- CPI), 2023** जारी किया गया है जिसके अनुसार अधिकांश देशों ने **सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार का समाधान करने में बहुत कम अथवा कोई प्रगति नहीं** की है।

- CPI विश्व भर के 180 देशों तथा क्षेत्रों को उनके सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार के अनुमानित स्तर के आधार पर **100 (अत्यधिक भ्रष्ट) से 100 (भ्रष्टाचार मुक्त)** के पैमाने पर स्कोर करता है।

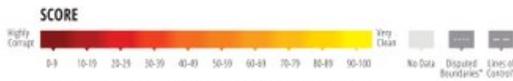
CORRUPTION PERCEPTIONS INDEX 2023



The perceived levels of public sector corruption in 180 countries/territories around the world.

SCORE COUNTRY/TERRITORY

90	Denmark	68	United Arab Emirates	52	Fiji	42	Moldova	36	Ukraine	29	Bolivia	22	Congo
87	Finland	67	Taiwan	52	Saudi Arabia	42	North Macedonia	35	Bosnia and Herzegovina	29	Pakistan	22	Guinea-Bissau
85	New Zealand	66	Chile	51	Malta	42	Trinidad and Tobago	35	Dominican Republic	29	Papua New Guinea	21	Eritrea
84	Norway	64	Bahamas	50	Mauritius	41	Burkina Faso	35	Egypt	28	Laos	20	Afghanistan
83	Singapore	64	Cabo Verde	50	Croatia	41	Kosovo	35	Nepal	28	Gabon	20	Burundi
82	Sweden	63	Korea, South	49	Malaysia	41	South Africa	35	Panama	28	Laos	20	Chad
82	Switzerland	62	Israel	49	Greece	41	Vietnam	35	Sierra Leone	28	Mali	20	Comoros
79	Netherlands	61	Lithuania	49	Namibia	40	Colombia	35	Thailand	27	Cameroon	20	Democratic Republic of the Congo
78	Germany	61	Portugal	48	Vanuatu	40	Côte d'Ivoire	34	Ecuador	26	Guinea	20	Myanmar
78	Luxembourg	60	Latvia	46	Jordan	40	Guyana	34	Indonesia	26	Kyrgyzstan	20	Sudan
77	Ireland	60	Saint Vincent and the Grenadines	46	Kuwait	40	Suriname	34	Malawi	26	Russia	20	Tajikistan
76	Canada	60	Spain	46	Montenegro	40	Tanzania	34	Philippines	26	Uganda	20	Tajikistan
76	Estonia	60	Spain	46	Romania	40	Tunisia	34	Sri Lanka	25	Liberia	18	Libya
75	Australia	59	Botswana	45	Bulgaria	39	India	34	Turkey	25	Madagascar	18	Turkmenistan
75	Hong Kong	58	Qatar	45	Sao Tome and Principe	39	Kazakhstan	34	Angola	25	Mozambique	17	Equatorial Guinea
73	Belgium	57	Czechia	45	Jamaica	39	Lesotho	33	Nigeria	25	Nigeria	17	Haiti
73	Japan	56	Dominica	44	Benin	43	Maldives	33	Mongolia	24	Bangladesh	17	Korea, North
73	Uruguay	56	Italy	43	Ghana	43	Morocco	33	Peru	24	Central African Republic	17	Nicaragua
72	Iceland	55	Slovenia	43	Oman	43	Argentina	33	Uzbekistan	24	Iran	16	Yemen
71	Austria	55	Costa Rica	43	Senegal	43	Albania	32	Niger	24	Lebanon	13	South Sudan
71	France	54	Saint Lucia	43	Solomon Islands	43	Belarus	31	El Salvador	24	Zimbabwe	13	Syria
71	Seychelles	54	Poland	43	Timor-Leste	43	Ethiopia	31	Kenya	24	Azerbaijan	13	Venezuela
71	United Kingdom	54	Slovakia	43	Bahrain	42	Gambia	31	Mexico	23	Guatemala	11	Somalia
69	Barbados	53	Cyprus	42	China	42	Zambia	31	Togo	23	Honduras		
69	United States	53	Georgia	42	Cuba	42	Algeria	30	Djibouti	23	Iraq		
68	Bhutan	53	Grenada	42	Hungary	42	Brazil	30	Eswatini	23	Cambodia		
		53	Rwanda	42			Serbia	30	Mauritania	22			



*The designations employed and the presentation of material on this map follow the UN practice to the best of our knowledge and as of January 2024. They do not imply the expression of any opinion on the part of Transparency International concerning the legal status of any country, territory, city or area or its authorities or concerning the designation of its borders or boundaries.

#CPI2023

www.transparency.org/cpi

This work from Transparency International (2024) is licensed under CC BY-ND 4.0

//

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1993 में बर्लिन (जर्मनी) में की गई थी।

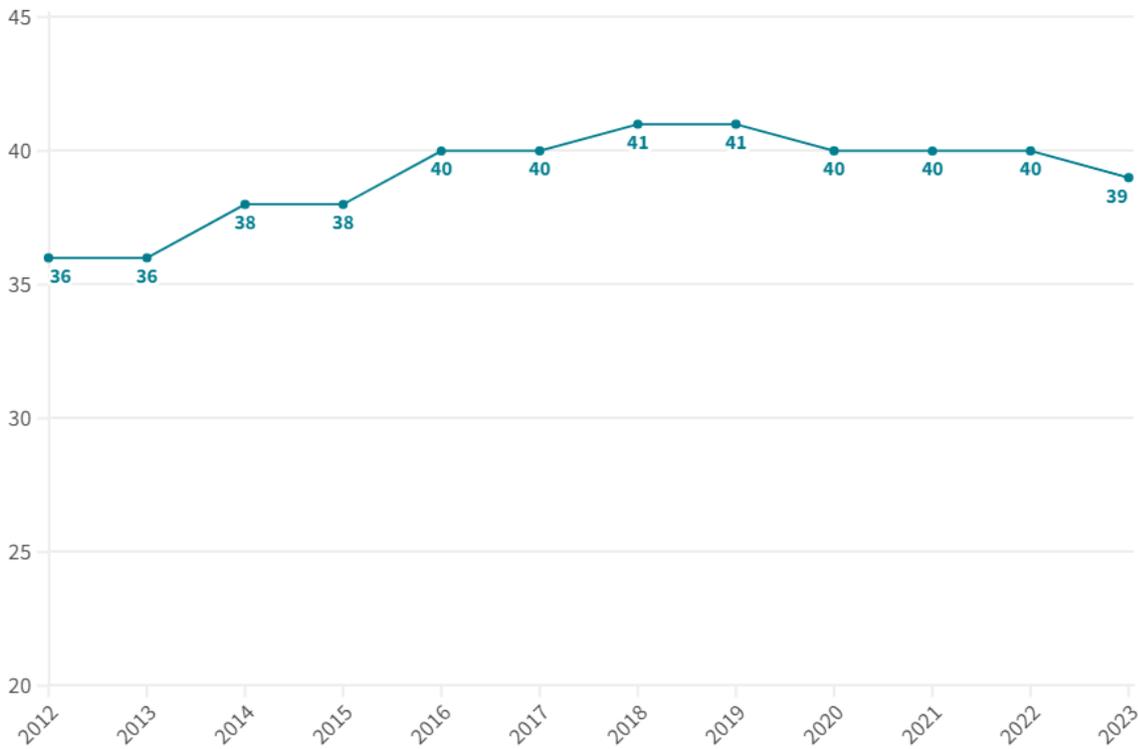
- इसका प्राथमिक उद्देश्य नागरिक सामाजिक भ्रष्टाचार-रोधी उपार्यों के माध्यम से वैश्विक भ्रष्टाचार का समाधान करना तथा भ्रष्टाचार से उत्पन्न होने वाली आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु कार्रवाई करना है।
- इसके सबसे उल्लेखनीय प्रकाशनों में **ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर** और **करप्शन परसेप्शन इंडेक्स** शामिल हैं।

भ्रष्टाचार बोध सूचकांक (CPI) 2023 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **वश्व भर में गंभीर भ्रष्टाचार:**
 - दो-तहाई से अधिक देशों का स्कोर 50 से कम है जो दृढ़ता से इंगति करता है कि उनमें **भ्रष्टाचार** की गंभीर समस्याएँ मौजूद हैं।
 - वैश्विक औसत स्कोर केवल 43 पर रहा तथा अधिकांश देशों ने पछिले दशक की तुलना में कोई प्रगति नहीं की अथवा गरिवट आई।
- **CPI 2023 की वैश्विक विशेषताएँ:**
 - **शीर्ष तीन देश:** डेनमार्क 90 के स्कोर के साथ नरितर छठे वर्ष सूचकांक में शीर्ष पर है, फिनलैंड और न्यूज़ीलैंड क्रमशः 87 तथा 85 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर हैं।
 - सुव्यवस्थिति रूप से संचालित न्यायिक प्रणालियों के कारण, ये देश वधिसिम्मत शासन सूचकांक (Rule of Law Index) में भी शीर्ष देशों में शामिल हैं।
 - **नमिन स्कोर प्राप्तकर्ता:** सोमालिया, वेनेजुएला, सीरिया, दक्षिण सूडान और यमन अपने स्कोर क्रमशः 11, 13, 13, 13 के साथ सूचकांक में नचिले स्थान पर हैं।
 - ये सभी देश लंबे समय से संकटों, अधिकतर सशस्त्र संघर्षों से प्रभावित हैं।
 - **भारत की रैंक और स्कोर:**
 - CPI 2023 में भारत 180 देशों में से 93वें स्थान पर था।
 - वर्ष 2023 में भारत का कुल स्कोर 39 था जो वर्ष 2022 में प्राप्त स्कोर 40 से कम है।
 - वर्ष 2022 में भारत 85वें स्थान पर था।

India's Corruption Perception Index score

2012 - 2023



Source: www.transparency.org • The Hindu Graphics

- **न्याय तक पहुँच तथा भ्रष्टाचार:**
 - **रूल ऑफ लॉ इंडेक्स** के अनुसार वश्व भर में न्यायिक प्रणालियों के संचालन में गरिवट देखी जा रही है।
 - **रूल ऑफ लॉ इंडेक्स, वर्ल्ड जस्टिस प्रोजेक्ट (WJP)** द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो वश्व स्तर पर वधि के शासन को सुदृढ़ करने के लिये कार्य करने वाला एक स्वतंत्र संगठन है।

- यह सूचकांक वधिसिम्मत शासन के कई आयामों पर डेटा प्रदान करता है जनिहें आगे 44 संकेतकों में वभिाजति कया गया है।
- रूल ऑफ लॉ इंडेक्स में सबसे कम स्कोर वाले देश **CPI में भी बहुत कम स्कोर कर रहे हैं** जो न्याय तक पहुँच तथा भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट संबंध को उजागर करता है।
- **भ्रष्टाचार में योगदान देने वाले कारक:**
 - सत्तावादी और लोकतांत्रिक दोनों नेता न्याय को कमज़ोर कर रहे हैं। यह भ्रष्टाचार के लिये दंडमुक्त को बढ़ा रहा है तथा यहाँ तक की अपराधियों हेतु परणामों को समाप्त करके इसे प्रोत्साहित भी कर रहा है।
 - रशिवतखोरी और सत्ता के दुरुपयोग जैसे भ्रष्टाचार भी दुनिया भर में कई अदालतों तथा अनय न्यायिक संस्थानों में घुसपैठ कर रहे हैं।
 - जहाँ भ्रष्टाचार आम बात है, वहाँ कमज़ोर लोगों की न्याय तक पहुँच सीमति है, जबकि अमीर और शक्तशाली लोग आम भलाई की कीमत पर पूरी न्याय प्रणाली पर कब्ज़ा कर लेते हैं।
- **मुख्य सफ़ारिशें:**
 - भ्रष्टाचार तब तक बढ़ता रहेगा जब तक न्याय प्रणालियाँ गलत कामों को दंडित नहीं कर सकतीं और सरकारों पर नयितरण नहीं रख सकतीं। जब भ्रष्टाचार कायम रहता है और न्याय पैसे या राजनीति से प्रभावित होता है, तो इससे आम जनता को नुकसान होता है।
 - अब समय आ गया है की बाधाओं को तोड़ा जाए और यह सुनिश्चित कया जाए की लोगों को प्रभावी ढंग से न्याय मलि सके। हर कोई नषिपक्ष तथा समावेशी कानूनी प्रणाली का हकदार है जहाँ पीड़ितों की आवाज़ हर स्तर पर सुनी जाती है।

CPI 2023 में भारतीय पड़ोसियों की स्थितिक्या है?

- **पाकस्तान और श्रीलंका:**
 - 180 देशों में पाकस्तान 133वें और श्रीलंका 115वें स्थान पर है।
 - दोनों देश अपने-अपने करज़ के बोझ और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे थे।
 - हालाँकि दोनों देशों में मज़बूत न्यायिक नगिरानी है, जो सरकार को नयितरण में रखने में मदद करती है।
 - पाकस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने संवधान के अनुच्छेद 19A के तहत पहले से प्रतबंधित संस्थानों तक इस अधिकार का वसितार करके नागरिकों के सूचना के अधिकार को मज़बूत कया।
- **बांग्लादेश:**
 - बांग्लादेश (149वें स्थान पर) सबसे कम वकिसति देश (LDC) की स्थिति से बाहर आया है, आर्थिक वकिस से गरीबी में लगातार कमी और रहने की स्थिति में सुधार में मदद मलि रही है।
 - प्रेस के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना का प्रवाह बाधित हो गया है।
- **चीन:**
 - चीन (76वें स्थान पर) ने पछिले दशक में भ्रष्टाचार के लिये 3.7 मलियन से अधिक सार्वजनिक अधिकारियों को दंडित करके अपनी आक्रामक भ्रष्टाचार वरिधी कार्रवाई की है। चीन में सार्वजनिक अधिकारी अक्सर अपनी आय बढ़ाने हेतु भ्रष्टाचार का उपयोग करते हैं।
 - हालाँकि सत्ता पर संस्थागत जाँच के बजाय सज़ा पर देश की भारी नरिभरता ऐसे भ्रष्टाचार वरिधी उपायों की दीर्घकालिक प्रभावशीलता पर संदेह पैदा करती है।

भ्रष्टाचार क्या है?

- **परचिय:**
 - **कपटपूर्ण भ्रष्टाचार:** यह तब होता है जब वयक्तिया संस्थाएँ बेईमान या धोखाधड़ी वाले उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये मलिकर साजशि रचते हैं। इसमें ससि्टम या प्रक्रियाओं की अखंडता को कमज़ोर करने हेतु अक्सर पारस्परिक लाभ के लिये पार्टियों के बीच एक सहकारी प्रयास शामिल होता है।
 - **अनविरय भ्रष्टाचार:** भ्रष्टाचार के इस रूप में वयक्तियों को बेईमान गतविधियों में शामिल होने के लिये मजबूर या बाध्य कया जा अनविरयता है।
 - जो लोग अपनी शक्तिका दुरुपयोग करते हैं वे वयक्ति हो सकते हैं या वे व्यवसायों या सरकारों जैसे संगठनों से संबंधित हो सकते हैं।
- **लोक सेवा में भ्रष्टाचार की व्यापकता के कारण:**
 - **संरक्षण:** सविलि सेवा पदों का उपयोग राजनीतिक समर्थन के लिये पुरस्कार के रूप में या रशिवत के बदले में कयि जाने से व्यापक भ्रष्टाचार हो सकता है।
 - जब वयक्तियों को योग्यता के बजाय वफादारी के आधार पर नयुक्त कया जाता है, तो यह सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता को कमज़ोर करता है।
 - **वेतन असमानताएँ:** नजि क्षेत्र की तुलना में लोक सेवकों के लिये कम वेतन वतितीय दबाव उत्पन्न कर सकता है। कुछ कर्मचारी आय की असमानता को दूर करने और अपनी वतितीय ज़रूरतों को पूरा करने के साधन के रूप में रशिवत लेने का सहारा ले सकते हैं।
 - **राजनीतिक वचिरधारा का प्रभाव:** राजनीतिक वचिरधारा का प्रभाव भ्रष्टाचार-अनुकूल माहौल को बढ़ावा दे सकता है, जहाँ योग्यता के बावजूद भ्रष्टाचार समर्थकों को पुरस्कृत करना नषिपक्षता और जवाबदेही को कमज़ोर करता है।
 - यह वयक्तियों को पद प्राप्त करने या इन पदों पर बने रहने के लिये भ्रष्टाचार का सहारा लेने हेतु मजबूर कर सकता है, जिससे एक अनैतिक चक्र कायम हो सकता है।

भ्रष्टाचार के नहितारथ क्या हैं?

■ लोगों और सार्वजनिक जीवन पर:

- सेवाओं में गुणवत्ता का अभाव: भ्रष्टाचार युक्त तंत्र में, सेवा की गुणवत्ता कम या बिल्कुल न के बराबर होती है।
 - गुणवत्ता की मांग करने पर किसी व्यक्तिको इसके लिये भुगतान करना पड़ जाता है। यह नगर पालिका, बजिली, राहत राशवितरण आदि कई क्षेत्रों में देखा व्याप्त है।
 - उचित न्याय का अभाव: न्यायपालिका तंत्र में भ्रष्टाचार के कारण अनुचित न्याय मलिता है और पीड़ितों को परेशानी हो सकती है।
 - साक्ष्यों की कमी या यहाँ तक कसाक्ष्य मटा दयि जाने के कारण भीकसी अपराध को संदेहात्मक लाभ के रूप में प्रामाणति कयि जा सकता है।
 - पुलसि व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण जाँच प्रक्रयिा दशकों से चल रही है।
 - अवसर की हानि और समय पर सेवा से इनकार: भ्रष्टाचार न केवल वतितीय और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतयिँ उत्पन्न करता है, बल्कव्यक्तयिँ के लयि अवसरों की हानिका कारण भी है।
 - समय पर सेवाओं, नौकरी के अवसरों और संसाधनों तक उचित पहुँच से इनकार असमानता को कायम रखता है तथा सामाजकि प्रगति में बाधा डालता है।

■ समाज पर:

- सरकार में अवशिवास: मतदाता वशिवास के आधार पर प्रतनिधियिँ को चुनते हैं, लेकनि यदनेता भ्रष्टाचार में लपित हो जाते हैं, तेलोगों में वशिवास समाप्त हो जाता है और अगली बार मतदान करने से परहेज़ (मतदाता उदासीनता) कर सकते हैं।
- मुखबरी गतविधियिँ को हतोत्साहति करना: भ्रष्टाचार ग्रस्त माहौल में, व्यक्तयिँ को प्राय: मुखबरी गतविधियिँ में शामिल होने से हतोत्साहति कयिा जाता है।
 - प्रतशिोध का डर, सामाजकि कलंक या प्रभावी सुरक्षा तंत्र की कमी भ्रष्ट प्रथाओं को उजागर करने में बाधा उत्पन्न करती है।
- भ्रष्टाचार का नियमति (आम बात) हो जाना: जनि समाजों में भ्रष्ट आचरण सामान्य हो जाता है, वहाँ व्यक्तीधीरे-धीरे ऐसे व्यवहार को अपने दैनिक जीवन के नियमति हसिसे के रूप में स्वीकार कर लेते हैं। यह नैतिक संरचना को कमजोर करता है, जसिसे सार्थक सुधारों को प्रेरति करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

■ अर्थव्यवस्था पर:

- व्यवसाय करने में आसानी का अभाव: भ्रष्टाचार में प्राय: रशिवत और दलाली शामिल होती है, जसिसे व्यवसाय करने की लागत बढ़ जाती है।
- वदिशी नविश में कमी: सरकारी नकियिँ में भ्रष्टाचार के कारण वकिसशील देशों में कई वदिशी नविश वापस हो चुके हैं।
- वकिसा का अभाव: कसी वशिष क्षेत्र में शुरू करने के इच्छुक कई नए उद्योग उस क्षेत्र के लयि अनुपयुक्त होने पर अपनी योजनाएँ बदल देते हैं।
 - यदसिड़कें, जल और ऊर्जा की समुचित व्यवस्था नहीं है, तो कंपनयिँ वहाँ अपना व्यवसाय शुरू नहीं करना चाहती हैं, जसिसे उस क्षेत्र की आर्थकि प्रगति में बाधा आती है।
- लालफीताशाही: लालफीताशाही का तात्पर्य चरम नौकरशाही प्रक्रयिाओं, जटलि नियमों और प्रशासनकि वलिंब से है, जो भ्रष्ट आचरण का माहौल बनाता है।
- प्रतसिप्रधा का अभाव: भ्रष्टाचार अक्सर कुछ व्यवसायों या व्यक्तयिँ के पक्ष में बाजारों में हेरफेर की ओर ले जाता है। इसके परणामस्वरूप एकाधिकार या अल्पाधिकार हो सकता है, प्रतसिप्रधा सीमति हो सकती है और नवाचार बाधति हो सकता है।
- काले धन और काला बाजारी की व्यापकता: काला धन, जो कसरकार को घोषति नहीं की गई आय है, के परणामस्वरूप कर राजस्व कम हो जाता है।
 - यह आवश्यक सार्वजनकि सेवाओं और बुनयिादी ढाँचा परयोजनाओं को वतितपोषति करने की सरकार की क्षमता को सीमति करता है।
 - एक काला बाजारी का असततिव औपचारकि अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकता है, क्योककिानूनी व्यवसायों को प्रतबिबि रूप में काम करने वालों से अनुचित प्रतसिप्रधा का सामना करना पड़ता है।

भ्रष्टाचार से नपिटने के लयि भारतीय पहल क्या हैं?

- भारतीय दंड संहति, 1860
- भ्रष्टाचार नविरण अधनियिम, 1988
- धन शोधन नविरण अधनियिम (Prevention of Money Laundering Act), 2002
- वदिशी अंशदान (वनियिमन) अधनियिम, 2010
- कंपनी अधनियिम (The Companies Act), 2013
- लोकपाल और लोकायुक्त अधनियिम, 2013
- केंद्रीय सतरकता आयोग
- केंद्रीकृत लोक शकियत नविरण और नगिरानी प्रणाली (CPGRAMS)

नषिकर्ष

- सविलि सर्वसि बोर्ड की स्थापना करके सरकार अत्यधिक राजनीतिक नयितरण पर अंकुश लगा सकती है। अनुशासनात्मक प्रक्रयिा को सरल बनाकर और वभिाग के भीतर नविराक सतरकता को मज़बूत करके यह सुनिश्चिति कयिा जा सकता है कि भ्रष्ट सविलि सेवक संवेदनशील पदों पर न बैठें।
- सरकार iGOT-कर्मयोगी जैसे क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर काम कर सकती है, जो एक सतत् ऑनलाइन प्रशकषण मंच है, जो सहायक सचवि से

सचवि स्तर तक के सभी सरकारी कर्मचारियों को उनके डोमेन कर्षेत्रों के आधार पर नरिंतर प्रशक्तिषण से गुजरने की अनुमति देगा ।

- सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी सुनश्चिति करने के लयि सभी सविलि सेवकों को **मूल्य-आधारति प्रशक्तिषण** पर बल देना महत्त्वपूर्ण है । व्यावसायिक नैतिकता सभी प्रशक्तिषण पाठ्यक्रमों में एक अभन्नि अंग होनी चाहयि और **द्वतीय प्रशासनकि सुधार आयोग (ARC)** की सफिराशियों के आधार पर सविलि सेवकों के लयि एक व्यापक आचार संहति का सृजन कयि गया ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. 'बेनामी संपत्तिलेन-देन नषिध अधनियम, 1988 (PBPT अधनियम)' के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2017)

1. कसिी संपत्तिलेन-देन को बेनामी लेन-देन नहीं माना जाता है यदिसंपत्तिके मालकि लेन-देन से अवगत नहीं है ।
2. बेनामी संपत्तियिँ सरकार दवारा अधकृत की जा सकती हैं ।
3. अधनियम में जाँच के लयि तीन प्राधकिरणों का प्रावधान है लेकनि कसिी भी अपीलीय तंत्र का प्रावधान नहीं है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. चर्चा कीजयि ककिसि प्रकार उभरती प्रौद्योगकियिँ और वैशवीकरण मनी लॉन्ड्रगि में योगदान करते हैं । राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मनी लॉन्ड्रगि की समस्या से नषिटने के लयि कयि जाने वाले उपायों को वसितार से समझाइये । (2021)

प्रश्न. "आर्थकि प्रदर्शन संस्थागत गुणवत्ता एक नरिणायक चालक है" । इस संदर्भ में लोकतंत्र को सुदृढ़ करने के लयि सविलि सेवा में सुधारों के सुझाव दीजयि । (2020)